



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

पं. 17] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 24, 1993 (वैशाख 4, 1915)

No. 17] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 24, 1993 (VAISAKHA 4, 1915)

इस भाग में मिन्न पृष्ठ संख्या वाली बाती है जिससे कि यह अलग संकलन के हाथ में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part I, in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4 (PART III—SECTION 4)

साधारण निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञान और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
क्षेत्रीय कार्यालय उड़ीसा
भूवनपट्टनम-751007, दिनांक 19 मार्च 1993

विषय:—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम के अन्तर्गत नेलंगापेंठ धोत्र में स्थानीय समिति का गठन।

मं. 44-दी-34/12/39/92-हितलाभ — एसद
द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम 1950 के विनियम 10-ए के अन्तर्गत कटक जिले के तेलंगापेंठ धोत्र के लिए स्थानीय समिति का गठन किया गया है जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे और जो अधिसूचना जारी होने की तारीख से प्रभावी होंगा।

1. विनियम 10-ए (1) (ए) के अन्तर्गत उप श्रम आयुक्त, कटक —अध्यक्ष

1—39 GI/93

2. विनियम 10-ए (1) (बी) के अन्तर्गत जिला श्रम अधिकारी, कटक —सदस्य (सरकारी नामिती)

3. विनियम 10-ए (1) (सी) के अन्तर्गत प्रभारी बीमा विकित्सा अधिकारी कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, तेलंगापेंठ —पदेन सदस्य

4. विनियम 10-ए (1) (डी) के अन्तर्गत नियोजकों के प्रतिनिधि

1. श्री विश्वनाथ दास, प्रबंधक मैसर्स आयित्य स्टील इंडस्ट्रीज, तेलंगापेंठ, कटक। —सदस्य

2. मोहम्मद मेषस अमित खान, साक्षेत्रार, मैसर्स एस० अकबर खान एण्ड कम्पनी तेलंगापेंठ, कटक —सदस्य

3. श्री जे० कमल कुमार, मुख्य कार्यकारी मैसर्स कोणार्क कंस्ट्रक्शन एण्ड इंजीनियर्स लि०, तेलंगापेंथ, कटक	—सदस्य	अम भंगालय केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय नं० दिल्ली-110 001, दिनांक 26 मार्च 1993	
5. विनियम 10-ए (1) (ई) के अन्तर्गत कर्मचारी के प्रतिनिधि	—	सं. 2/1959/धी. एप. बाई०/एकप्रम/89/भाग-1/ 1030—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजिताओं के (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकोण उपर्युक्त अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।	
1. श्री बासुदेव मल्लिक, बेलडर, मैसर्स आदित्य स्टील इंडस्ट्रीज, तेलंगापेंथ, कटक	—सदस्य	चूकि भौ०, बी० एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संबंधित हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी की अनुसूची-1 में भारतीय जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का साथ उठा रहे हैं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी रिकॉर्ड सहबहुध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्थीरकार्य सामों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।	
2. श्री राम दास, वर्कर मैसर्स एस० अकबर खान एण्ड कम्पनी तेलंगापेंथ, कटक	—सदस्य	अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 1 (क) वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-11 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार भौ०, बी० एन० सोम प्रत्येक उक्त स्थापना का प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लि- खित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त भवास ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत हीलं प्रवान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संबंधित की छूट देता है।	
3. श्री मानुषी बेहेरा, वर्कर मैसर्स कोणार्क कंस्ट्रक्शन एण्ड इंजीनियर लिमिटेड, तेलंगापेंथ, कटक	—सदस्य	अनुसूची—1	
6. विनियम 10-ए (1) (एफ) के अन्तर्गत प्रबंधक, स्थानीय कार्यालय, कर्मचारी राज्य बीमा नियम कर्णाटक नगर (खपुरिया), कटक	—सदस्य तथा पद्धेन सचिव	कोड सं० सं० छूट की प्रभावी कोड सं० तिथि के० भ० नि० आ० फा० सं०	
1. म० मिलगोरीन एप्लीकेट्स प्रा० लि०, 425 पन्थोत रोड, इलमोर, मद्रास-8	टी०एन०/ 19917	1-9-89 से 31-8-95 1-9-92 से 31-8-95	2 (4815)/93
2. म० पी०एस० सिंजे यर सैक्षण्डरी स्कूल, 15 अलामेन्य०, मंगलापुरम, मेलांघोर, मद्रास	टी०एन०/ 23938	1-4-92 से 31-3-95	2 (4816)/93— डी०एल०आई०

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसे विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा नियोजक के लिए एसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे नियोजक प्रभारी का प्रत्येक भास की समीक्षा के 15 दिन के भीतर संबाध करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के अन्डे-के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीभियम का संबाध, लेखाओं का अंतरण, नियोजक प्रभार का संबाध आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार इवारा अनुमोदित सामूहिक दीण स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वह-संस्था की भास में उसकी मुख्य जाहों का अनेकाद स्थापना के संस्थान पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरक्षित बर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय बीमा निगम को संदर्श करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ द्वारा जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किए जाने की आवश्यकता करेगा, जिससे नियोजित कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों एवं अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकूल हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हांसे हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ याकृति उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस बात से संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता था, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिश/नाम निवैधितों को प्रतिकर के रूप में वहाँ राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपर्योगों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीसि से कम हों जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस सियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करते हैं, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वृद्धि में उन मृत सदस्यों के नाम निवैधितों या विधिक वारिशों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कावार नाम निवैधितों/विधिक वारिशों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/झी. एल. बाहू./एक्चाम/89/भाग-1/
1038—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 को उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई असर बनाना या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपधारा 1 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-1 में उल्लिखित शर्तों के उन्नासर मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना के प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त हरियाणा ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूं।

अनुसूची—1

क्र. सं.	स्थापना का नाम व पता	वोड सं.	छूट की प्रभावी तिथि	क्र. सं. नि. आ०
				फा० सं.
1.	मैं० अवरोल वाच्स (प्रा०) लि०, प्लाट सं० 62, एच०एस०आई०ड०सी० एण्डस्ट्रियल एस्टेट, कून्डली, जिला सोनीपत (हरियाणा)	एच०आर०/ 11745	1-7-90 से 30-6-93	2/4457/92/ झी०एल०आई०
2.	मैं० कर्मीर कथा इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०, जी०टी० रोड, करनाल नजदीक, निधूसिनेमा, कुम्हली (हरियाणा) 131028	एच०आर०/ 10842	1-9-90 से 31-8-93	2/4458/92/ झी०एल०आई०

अनुसूची- II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इतके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, के एसी विवरणियों भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी समिधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के बण्ड-के अधीन समय-समय पर निवेदित करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की धृ-संस्था की भाषा में उसकी मूल्य कारों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना का भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्सर करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं हो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समिक्षित रूप से वृद्धि किए जाने की आवश्यकता करेगा, जिससे कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन बनाये हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भे राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदर्भे होती थी वह उक्त स्कीम के अधीन होता है, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवेदितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन बोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दीप्तिकांग स्पष्ट करने का यक्षिण्यक अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणबश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीत से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणबश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियन्त करें, प्रीमियम का संदाय करने से असफल रहता है और पालिसी के व्यवहार हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निवेदितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती हो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तराधिक्षण नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कादार नाम निवेदितों/विधिक वारिसों के बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक भाष के भीतर सनिदिष्ट करेगा।

दौ. एम. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एज. आई./एक्जम/89/भाग-1/
1046—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए अवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चांकि मैं, दी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशादान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, ताकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधियों सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है)।

जल्द: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 1 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची- में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, दी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के समाने (अनुसूची-1) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कोयम्बटूर ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत छूट प्रदान की है, 3 वर्ष की अधिक के लिए उक्त स्कीम में संचालन की छूट होता है।

अनुसूची-I

क्र. सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० सं०
1	2	3	4	5
1.	मंसर्स महेन्द्रा इंजीनियरिंग वक्स	टी०एन०/	1-12-89	2/4672/92-
	पुलीयकुलम कोयम्बटूर-641045	5895	30-12-90	टी०एल०आई०
2.	मंसर्स गोडी होप० (प्रा० लि०), पोल्ट बास्स सं० 1480, 317 अवनाशी रोड, कोयम्बटूर-641018	टी०एन०/	1-12-90	2/4673/92-
		6935	30-11-93	टी०एल०आई०

अनुसूची-

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित अंतर्राष्ट्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणों भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निराकरण को ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर गारंड करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संबाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-के अधीन संबय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लखाओं का रखा जाना, विवरणों का इस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संबाय, लखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संबाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय हरकार द्वारा अन्मोहित साम्राज्ञिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की ल्लास-संस्था की भाषा में उसकी मूल्य बारों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रबंधित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सूचना दर्ज करेगा और उसकी बावजूद आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप में वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अन्तर्गत हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है, नियोजक कर्मचारी के विधिक दारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में वांचों राशियों के अन्तर भारातर राशि का संबाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित अंतर्राष्ट्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारीरियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां अंतर्राष्ट्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन होने से पूर्व कर्मचारीरियों को अपना ईष्टकोण स्पष्ट करने का प्रक्रियकृत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रख जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारीरियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीत से कम हो जाते हैं तो वह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संबाय करने में असफल रहता है और पासिसी को व्यपत्रत हो जाने दिया जाता है तो छठ रक्षण की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संबाय में किये गये किसी छठ रक्षण की धशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती है उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संबाय का उत्तर-दायित्व नियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर समिष्ट करेगा।

दौ. एन. सोम,
केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त

स. 2/1959/झी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/
1054—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजिताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकार्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए जावेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, डी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि वायव्य इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी और अलग अंशावान या प्रीभियम की व्यापारी किए जिन वीक्षा वीमा के रूप में भारतीय जीवन वीमा नियम की सामूहिक वीमा स्कीम का सामने उठ रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के

मिए कर्मचारी नियोज सहवाध वीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य वामों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदर्श वाकित्यों का प्रयोग करते हुए तथा अम मन्त्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि वायपक की अधिसूचना संस्था तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में हथा संस्थन अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, डी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की वधविध के सिए छूट प्रदान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

अनुसूची-1

क्र. सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	स्थापना को सूट बढ़ाने के लिए भारत सरकार के अधिसूचना की सं०	पहले ले प्रदान की गई छूट की समाप्ति की तथा तिथि	अवधि जिसके लिए और छूट दी गई है	के अंति आ० फा० सं०
1. मै० लासेन एण्ड ट्रूफरो लि०, पुवार्ड वर्स साकी विहार रोड, पुवार्ड, बम्बई-400072 तथा इसकी शाखा सहित	एम०एच० 424	2/1959/झी०एल० आई०/एक्जाम/89/ पार्ट-1, दिनांक 31-1-92	24-09-91	25-9-91 से 24-9-94	2/289/79- झी०एल०आई०	
2. मै० इण्डियन एल्युमिनियम क०, बेलागुर रोड, कलावा, थाना-400605 तथा इसकी शाखा सहित	एम०एच०/ 616	एस-35014/86/ 84-एस-एस०-II दिनांक 23-10-84	22-10-87	23-10-87 से 22-10-90 23-10-90 से 22-10-93	2/28/76- झी०एल०आई०	
3. मै० हिन्दुस्तान आरोग्यिक केमिकल्स लि०, डाकघर रसायनी-410207 तथा इसका विजिं कार्यालय व शाखा सहित	एम०एच०/ 12152	2/1959/झी०एल० आई०/एक्जाम/89/ पार्ट-1 दिनांक 28-6-89	28-2-91	1-3-91 से 28-2-94	2/2119/89- झी०एल०आई०	

अनुसूची-

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे सेवा रखेगा तथा निरीक्षण को लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्वाचित करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के छण्ड-के अधीन समय-समय पर निर्वाचित करें।

3. रामूहिक वीमा स्कीम के प्रकाशन में जिसकी अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीभियम का संदाय लेखाओं का अन्तर्गत निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है; हनें यामे सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जावेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति हमें कर्मचारियों की बहु-संस्था की भावा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि फोइ० ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का वा उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के गदस्य के रूप में उसका नाम सुरक्षा दर्ज करेगा और उसकी बाबत आशयक प्रीभियम भारतीय जीवन वीमा नियम के संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ावे जाते हैं तो नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन

कर्मचारियों के उपलब्ध लाभों में समृद्धि रूप से वृद्धिधि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेष है ।

7. सामूकीक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन हवाय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वशा में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता रहे, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवैशितों के प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन अनुसार स्थेशीय भविष्य निधि वायव्यत के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के होते हुए प्रतिकूल प्रभाव पहले की सम्भावना हो वहाँ स्थेशीय भविष्य निधि वायव्यत अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना हीष्टकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देना ।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापित पहले अपना छुकी है, अधीन नहीं रह आता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियम तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियम करते, भीमियम का संदाय करने में वसफल रहता है और पालिसी को व्यपत्त होते जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक व्यारारा भीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निवैशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके इकावार नाम निवैशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सन्तुष्टि करेगा ।

बी. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि वायव्यत

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1
1067—जहाँ भैसर्स इंश्वर अश्विन पलास्टिक्स प्रा. लि.
501/इ. जी आई डी सी, हलोल-389350 (गुज. 20172) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकार्य उपलब्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) ।

बूँकि भै. बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि वायव्यत इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी को इस अवलोकन या भीमियम की व्यापारी किए जिन जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधिपूर्व सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है । (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है) ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार भै. बी. एन. सोम, उक्त स्थापना की उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस विधि से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भविष्य निधि वायव्यत बड़ोदा ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत छूट प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता है । दिनांक 1-10-92 से 30-9-95 तक) ।

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि वायव्यत को एसे विवरणों भेजेगा और एसे लेखा रहेगा तथा नियमित के लिए एसे सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि वायव्यत समय-समय पर निर्दिष्ट करें ।

2. नियोजक, एसे नियमित प्रभारों का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के अंगठ-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रकाशन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा भीमियम का संदाय, लेखाओं का बन्तरण, नियमित प्रभार का संदाय यादि भी है, होने वाले सभी व्यवों का यह नियोजक व्यारारा किया जायेगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार इधाए अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति भै. एल. डी. उमर लंशोला द्वारा किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों के बहु-संस्था की भाषा में उसकी मूल बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रस्तुत करेगा ।

5. यदि भै. एल. डी. एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का तो उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसके स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सम्बन्ध के रूप में उसका नाम त्रुत दर्श करेगा और उसकी व्यावरा भीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम की संवेद्य करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों के उपलब्ध सम्बन्धों वाले हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध सामूहिक रूप से वृद्धिधि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन लाभज्ञ है ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हार्दिक हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबंधित राशि उस राशि से कम है तो कर्मचारी को उस इसमें संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवैशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित शोषण भविष्य निधि आयकर अपना अनमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिक्रिया प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां शोषण भविष्य निधि आयकर अपना अनमोदन बत्ते से पहले कर्मचारियों को अपना विष्टकाण स्पष्ट करते का यक्षित्यक्रम अवश्य होगा।

9. यदि किसी कारणबद्ध स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिस स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले साम किसी रीत से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणबद्ध नियोजक उस नियम सारोंक के अंतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियस कर, प्रीमियम आम भावाव करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपत्ति हो जाते दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक इकारा प्रीमियम की संवाद में किसे गधे किसी व्यक्तिकर्म की धजा में उन मूल संवर्धनों के नाम निवैशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती है उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा सामों के संवाद का उत्तरदायित्व नियोजक एवं जाता।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी संवर्धन की मृत्यु होने पर उसके हक्कदार नाम निवैशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सनिभित करेगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि बायकर

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/
1075—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपलब्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आदेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयकर इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी वोइं अलग अंशादान या प्रीमियम की अदायगी किये दिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का साम उठा रहा है, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियोजक अनुबंध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मन्त्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयकर की अधिसंचना संस्था तथा नियमित या व्यापक स्थापना के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में नियोजित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी अन्तर्गतों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं जैसा कि भंगन अनुसूची-1 में उनके सामने दर्शाया गया है।

अनुसूची-I

क्र. सं.	स्थापना का नाम व पता	कोड सं.	भारत सरकार की अधिसंचना सं० और दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान की गई/विस्तार किया गया	पहले से छूट प्रदान की अवधि	बाद में बढ़ाई गई अवधि	क्र. सं०नि०आ० फा० सं०
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० एलकौज लि०, 1, रामचन्द्रा रोड, मद्रास-4	टी०ए०/ 4754	2/1959/डी०ए०/आई०/छूट/89 पार्ट-1 दिनांक 4-10-89	31-12-90	1-1-91 31-12-93	2/2544/90-डी०ए०आई०
2.	मै० कोरोमण्डल इंजीनियरिंग कम्पनी लि०, सं० 46, दूसरी साईन बीच मद्रास-600001	टी०ए०/ 11559	—वही— दिनांक 17-11-89	31-5-90	1-6-90 से 31-5-93	2/2589/90-डी०ए०आई०
3.	मै० मुन्दरम फोर्ज सं० 47, कैलांकेश्वर रोड थीरुमनमीयर मद्रास-41, 95 जी०टी० रोड, पालावरय मद्रास-45	टी०ए०/ 19855	—वही— दिनांक 21-12-89	31-10-91	1-11-91 31-10-94	2/3145/90-डी०ए०आई०

अन्तस्थी- I

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेना रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त, समय-समय पर निर्विघ्न करें।

2. भियोजक, एसें निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेंगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की भारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निवेश करें।

3. सामूहिक दीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत सेक्षांतों का रहा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, दीमा प्रीमियम का संदाय सेक्षांतों का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक बायार किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामुहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति कमचारियों को बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातें का अनुवाद स्थापना के मूल्यां पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक समूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदर्भ करेगा।

6. विव उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों औ उपलब्ध लाभ भाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सम्बन्धित रूप से विविध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों औ उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञाय हैं।

7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी वात के होते हए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिश/नाम निर्दीशितों को प्रतिकर के रूप में दानों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामृहिक बीमा स्फीम के उपबंधों में कोर्ट भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त अपना अन्मोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय 2-39GT/93

भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने रे पूर्व कर्मचारियों को अपना हाईकोण स्पष्ट करने का यक्षितायक अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन दीमा निगम की उस सामूहिक दीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हों जाने हैं तो यह रवव की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करें, ग्रीमियम का मंदाय करने में असफल रहता है और पारिस्सी को व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो छठ रबद की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के मंदाव में दिये गए किसी व्यक्तिकर की दृश्य में उन सत् सदृश्यों के नाम निर्देशित या विधिक वाचिकों के जो यदि ग्रह छट न दी गई होती तो उक्त महीम के अन्तर्गत होते, वैसा लाभों के मंदाव का उत्तरदायित्व दियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मत्त्य हमें एवं उसके हक्काएँ नाम निर्देशितों/विधिक धारिमों को दीमाकून राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सनिश्चित करेंगे ।

बी. एन. सोम.

केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्ता

सं. 2/1959/झी. एल. आहू. /प्रकाश/89/भाग-1/
 1083—जहाँ उन्नतमधी-1 में डिल्लीहिंस नियोक्ताओं ने (जिसे
 इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविध नियिध
 और प्रकाण छूट के लिए आवेदन दिया है) जिसे इसमें इसके
 पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है !

चूंकि मैं, बी. एन. सौर्य, कॉलंड्रीय भवित्व निधि शायद त
इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोइ^ह अलग
अंशादान या प्रीमियम को अदायगी किये दिना जीवन बीमा के रूप
में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामिहिक बीमा स्कीम का लाभ
उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधेप
संहबृद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्थीकार्य लाभ से
अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया
है)।

अतः उक्त अधिनियम की भारा 17 की उपाधारा 1(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-II में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्योक्त उक्त स्थानों की प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थानों को भोग्नीय भविष्य निर्धारा आयक्त कानपर ने स्कीम की भारा 28(7) के अंतर्गत छील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के तिए उक्त स्कीम से संचालन की छट देता हूँ।

अनुसूची-1

श्र० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फाइल सं०
1.	मै० विष्णु हंजीनियरिंग रमणाट रोड, निरंजन पुरी, अलीगढ़ (य०पी०)	य०पी०/ 4064	1-9-89 से 31-8-92	2/4805/93- डी०एल०आई०
2.	मै० दूध उत्पादक सहकारी संघ लि०, रमणाट रोड, अलीगढ़	य०पी०/ 4186	1-12-88 से 30-11-91	2/4806/93- डी०एल०आई०
3.	मै० नर्वेलॉफ क० सी-७, इण्डस्ट्रियल एस्टेट, अलीगढ़	य०पी०/ 4864	1-11-88 से 31-10-91	2/4807/93- डी०एल०आई०

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पहचान नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियाँ भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के अन्दर के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लोकों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लोकों का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्योदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाषा में उसकी मर्यादा वार्ताओं का अन्वय द्वापना के सचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के सचन्य के रूप में उसका नाम तूरन्त दर्ज करेगा और उसकी बावजूद आवश्यक प्रीमियम भारतीय बीमा निगम को संबत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों के उपलब्ध सामवदावे जाते हैं हो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समर्चित रूप से विविध किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए भारतीय कर्मचारी स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से संतुष्टि अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन उन्नेश्य है।

7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विविध वारिश/नाम निवैधिकताओं को प्रतिकर के रूप में वानों गणियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त वपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पहने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त वपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना ईट्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीत से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत सारीक के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निश्चय नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यक्त हो जाने विधा जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यापक की दशा में उन मूल सबस्थियों के नाम निवैधिकताओं या विविध वारिसों को जो दरि यह छूट वी गर्फ़ होती हो, उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तराधार्यत्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सबस्थियों की मर्यादा होने पर उसके हक्कान्दार नाम निवैधिकताओं/विविध वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक मात्र के भीतर सुनिश्चित करेगा।

वी. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जेम/89/भाग-1/1091—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उष्टुन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की भारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

थूंक मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशधान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामिक बीमा स्कीम का लाभ

उठा रहे हैं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबध्य बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनकल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की भारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संस्था तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

अनुसूची-1

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	भारत सरकार के अधिसूचना में प्रकाशित की गई तिथि व सं०	छूट की अवधि समाप्त होने की तिथि	अवधि जिसमें छूट बढ़ायी गई	केंभ०नि०आ० फा० सं०
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० रुस्तम मिल्स एण्ड इण्ड-स्ट्रीज लि०, ओ०/एस० विल्ली गेट, तुधेश्वर रोड, अहमदाबाद	जी०जे०/297	2/1959/डी०एल०आई०/छूट/89-पार्ट-1, दिनांक 22-4-91	29-7-92	30-7-92 से 29-7-95 तक	12/339/80 डी०एल०आई०
2.	मै० जामनगर जिला कोप०—वैक लि०, सहकारी भवन, रणजीत रोड, जामनगर	जी०जे०/4658	2/1959/डी०एल०आई०/छूट/89-पार्ट-1, दिनांक 29-8-90	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/320/80 डी०एल०आई०
3.	मै० दी शब्दरकाटा जिला सैफ्टल कोपरेशन बैंक लि०, हिमतनगर	जी०जे०/4665	एस-35014/22/86-एस०एस०-II विनांक 5-2-86	4-2-89	5-2-89 4-2-92 5-2-92 4-2-95	2/1327/85 डी०एल०आई०
4.	मै० फाइनकास्ट (गुजरात) प्रा० लि०, 133-34, विट्ठल चत्योग मगर, बलभ विद्यानगर-388120	जी०जे०/7556	2/1959/डी०एल०आई०/छूट/89/पार्ट-1 दिनांक 1-1-90	30-9-91	1-10-91 30-9-94	2/2499/डी०एल०आई०
5.	मै० कनोडिया केमिकल्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, प्लाट सं० 3407, जी०आई०डी०सी०, इण्डस्ट्रीज, अल०गाड़-390002	जी०जे०/9725	2/1959/डी०एल०आई०/छूट/89, पार्ट-1 दिनांक 1-1-90	29-2-92	1-3-92 28-2-95	2/2492/डी०एल०आई०
6.	मै० हंसटीट्यूट आफ रुरल मैनेजमेंट पो०बा० 60, आनन्द-38800	जी०जे०/13777	2/1959/डी०एल०आई०/छूट/89-पार्ट-1 दिनांक 20-11-91	30-5-92	1-6-92 30-5-95	2/3461/91/डी०एल०आई०
7.	मै० हस्ती इण्डस्ट्रीज पी०डी० एम० कामर्स कालेज के पीछे गुण्डाल रोड, राजकोट-360004	जी०जे०/16665	2/1959/डी०एल०आई०/छूट/89-पार्ट-1 दिनांक 1-1-90	29-2-92	1-3-92 28-2-95	2/2497/90 डी०एल०आई०

अनुसूची-I

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सूचिभार्ए प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के अन्धेरे के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संबाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वह संस्था की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रशिर्षित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरक्ष दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समीक्षित रूप से बूद्धि किया जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में वारों राशियों के अनुरुप बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के दिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन बने से पूर्व कर्मचारियों को अपना एप्टिकोण स्पष्ट करते का यक्षितयक्त अवसर देंगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीत से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पारिसंसी को व्यपत्ति हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों वा विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हुक्मार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकूल राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

वी. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. वार्ड./एक्जेम/89/भाग-1/
1099—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण छूट व तीलए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)

चूंकि मैं, वी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अन्य अंशावान या प्रीमियम की अवधारणी किए दिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निशेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्थीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अस: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 1 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-II में उल्लिखित घर्तों के अनुसार मैं, वी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना के प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस सिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त भवुराई ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के सिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूं।

अनुसूची—1

क्र० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फाइल संख्या
1.	मैसर्स टमिलनाडु ग्रीयर्स एण्ड साप्ट कारपोरेशन इण्डस्ट्रीज इस्टेट, सींगमपुनारी	टी०एन०/ 10155	1-5-91 से 30-4-94	2/4896/93- टी०एल०आई०
2.	मैसर्स सीरी रमको ट्रिम्स, पो०बा० सं० 127, कुण्डा पुराम, रोड, राजपत्रलायम-626117	टी०एन०/ 24656	1-1-92 से 31-12-94	2/4897/93- टी०एल०आई०

अनुसूची—I

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आग्रह को एंसी विवरणियां भेजेगा और एंसे लेजा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एंसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आग्रह समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एंसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के संदर्भ-के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत देशांत्रों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखांत्रों का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्यायों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति सभा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसके बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एंसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धिक किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि सं कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में होने राशियां के अन्तर बराबर राशि का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के द्वारा नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकल प्रभाव पहने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पहले कर्मचारियों को अपना घोषणापत्र स्पष्ट करने का गरिमग्रन्थ अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रखव की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत हारीव के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करते, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यस्क हो जाने दिया जाता है तो छूट रखव की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की वशा में उन भूत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विविध वारियों को जो यदि यह छूट न दी गई होसी तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरवायित नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कदार नाम निर्देशितों/विविध वारियों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

सं. एफ. पी. 2(10)193/1062—जहां मैरसं सी. एम. सी. लि., 1, रिंग रोड, किलोकरी, निकट महारानी बाग, नई विल्ली-110 014 ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 (1-सी) के अंतर्गत कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम 1971 से छूट प्रदान करने के लिए अपने एक कर्मचारी थी के. के. कृष्णा कुट्टी (एफ. पी./5954) के सम्बन्ध में आवेदन भेजा है।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयूक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि भारत सरकार पेंशन नियम (सी. सी. एस. पेंशन नियम) के अंतर्गत परिवार पेंशन के रूप में लाभ जो कि उक्त स्थापना के इस कर्मचारी पर लागू है, कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 के अंतर्गत उपलब्ध लाभ से अधिक अनुकूल है।

उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1-सी) इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयूक्त उक्त स्थापना के कर्मचारी, जो कि उक्त स्थापना में आने से पूर्व केन्द्रीय सरकार की नीकरी में था, तथा सी. सी. एस. पेंशन नियमों द्वारा शासित था, को निम्नलिखित शर्तों पर अधिकृत जारी होने की हितिधि से या नोकरी की अंतिम तिथि, से उन कर्मचारियों के संबंध में जो सरकार के आदेश के अनुसरण में 22-1-1990 और 7-4-92 के बीच विकल्प देने के बाद सेवा निवृत्त हुए को कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 के सभी उपबंधों को लागू करने से छूट प्रदान करता हूं।

- ये कर्मचारी छूट की तिथि से कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 के अंतर्गत किसी लाभ के पात्र नहीं होंगे।
- कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 से छूट प्रदान करने के लिए एक बार दिया गया विकल्प अंतिम होगा।

3. उक्त प्रत्येक कर्मचारी से संबंधित नियोक्ता संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयूक्त को वे रिटर्न भेजेगा, वे लेखे तंयार करेगा और उन्नीक्षण करने की वे सूचिधाएं बनेगा जिसे समय-समय पर केन्द्रीय भविष्य निधि आयूक्त निर्देश करेगा।

बी. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयूक्त

सं. 2/1959/बी. एस. आई./एक्जेम/80/भाग-1/
1113—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयूक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी को इस असं अंशादान या प्रीमियम की अदायगी किए जिन जीवन बीमा को रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निषेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

बता: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-II में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-I में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयूक्त उड़ीसा ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत छोल प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूं।

अनुसूची—1

क्र० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	क्र० भ निं० आ० फा० सं०
1	2	3	4	5
1. मै० उडीसा स्टेट को०-आपरेटिव बैंक लि०, सचिवालय मार्ग, भुवनेश्वर-751001	प्रो०आर०/ 822	1-12-87 30-11-90	2/4468/92/ डी०एस०आई०	
2. मै० कोनार्क स्लैण्डर एण्ड कॉटेनर्स लि०, लहौद नगर भुवनेश्वर, उडीसा-751007	प्रो०आर०/ 3524	1-2-88 31-1-91	2/4639/92- डी०एस०आई०	

अनुसूची-I

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के एसी मुद्रिताएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण इभारी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के छट्ट-के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले हमी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मूलत बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छट्ट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसके स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी नावत राशियक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबत करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सम्बित रूप से विभिन्न किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अलग हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद राशि से कम है जो कर्मचारी के उम्र क्षमा में संवेद होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिश/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के दिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के लिए पर उत्तिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इष्टकोण स्थित करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणबद्ध स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है वा इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणबद्ध नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में बसफल रहता है और पालिसी को व्यपत रहते हों जाने किया जाता है तो छट्ट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के राशाय में किए गए किसी अतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिशों को जो यदि यह छट्ट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन बाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कावार नाम निर्देशितों/विधिक वारिशों को बीमाकात राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर संनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/जी. एल. आई./एक्जम/89/भा-1/
1121—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपलब्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छट्ट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

भौंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी का अंतर्गत अंशादान या प्रीमियम की अदायगी किये दिया जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहवंध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) पश्चात् शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा विधि और प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम उक्त स्कीम के सभी उपलब्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छट्ट प्रदान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुसूची-I में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

स्रोत : आंध्र प्रदेश

अनुसूची—1

क्र० स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	स्थापना की छूट	पहले से प्रदत्त	अवधि जिसके	के०भ०नि०आ०
सं०		बढ़ाने के लिए भारत—	की गई छूट की	लिए और छूट दी	फा० सं०
		सरकार के अधिसूचना	समाप्ति की तिथि	गई है	
		की सं० तथा तिथि			
1	2	3	4	5	6
1. मै० श्री सथावहाना ग्रामीण बैंक, मुख्यालय मुकुम पुरा, पी०बी०— -3, करीम नगर-505002 (ए०पी०)	ए०पी०/ 14210	2/1959/डी०एल० आई०/एकजम/89/ भा-1, विनांक	31-1-91	1-2-91 31-1-92	2/3775/91 डी०एल०आई०
2. मै० नवीन डीजल्स, पी०बी० सं० 1, भाग्यानगर कालोनी, कुड्डपा-516001	ए०पी०/ 17169	—वही— दिनांक 27-3-90	10-9-91 —वही— दिनांक 27-3-90	31-10-91 31-10-94	2/2411/90 डी०एल०आई०

अनुसूची-I

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियाँ भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के एसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की समर्पित के 15 दिन के भीतर संवाद करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के लगड़-के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाद, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संवाद आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोइ० एसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसके स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम त्रुत्त रूप करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय बीमा निगम को संबत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध साभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद्य राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवैशितों को प्रतिकर थे रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संवाद फरंगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के विनाम ही किया जाएगा और वहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दीप्तिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवतरण करें।

9. यदि किसी कारणबाट स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले साम किसी रूप से कम हो जाते हैं तो यह रख जी जा सकती है।

10. यदि किसी कारणबाट नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम जा संदाय करने से असफल रहता है और पांसी को अपग्रेड हो जाने किया जाता है तो यह रख जी जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संबाद में किए गए किसी व्यक्तिकूम की दशा में उन भूत सदस्यों के नाम निवैशितों या विधिक वारिसों को जो यदि छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाद का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कार नाम निवैशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

सौ. एन. सो०.
कौदौरी भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/
1129—जहां अनुसूची में उल्लिखित नियोजिताओं के (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकार्ण छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) ।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अवायरी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी

निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है) ।

अतः उक्त अधिनियम को धारा 17 की उपधारा 1 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-2 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक को सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त आंध्र प्रदेश ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत दील प्रदान की है, 3 धर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूं ।

अनुसूची-1

क्र० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	क्र० भ० नि० आ० फा० सं०
1. मैं. अंथोनीस इंडस्ट्रियल इंस्टीट्यूट, आर० एस० रोड, कुडप्पा	ए०पी०/ 11186	1-11-91 से 31-10-94	2/4670/92- डी०एल०आई०	
2. मैं. माईक्रोटूर बैच्यू सिस्टम (प्रा०) लि०, 6-4-43 भोलफ्पूर कवाडीगुडा रोड, सिक्किम-वाराण्सी-500380	ए०पी०/ 13402	1-4-92 से 31-3-95	2/4804/92- डी०एल०आई०	

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें ।

2. नियोजक, एसी निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संबाध, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की एक प्रति तथा कर्मचारियों की व्यवस्था की भाषा में उसकी मुख्य बासों का अन्वाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई एसे कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का गा उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त कियी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम को सदस्य के रूप में उसका नाम तुरत्स दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबत करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ दिए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी और उस दशा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में वारों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना ईष्टकोण स्पष्ट करने का योक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह छूट दर्ज की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन वीमा निगम नियत करें, प्रीभियम का संवाद करने में असफल रहता है और पालिसी की व्यवस्था हो जाने विश्वास जाता है तो यह छूट रखने की जा सकती है।

11. नियोजक विधान प्रीभियम के संवाद में किए गए किसी व्यापारिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती हो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, वीमा लाभों के संवाद का उत्तराधिकार नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की वीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/
1137—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजिताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य

अनुसूची—A

क्र०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	भारत सरकार की अधिसूचना सं० व विनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान की गई	छूट की समाप्ति की तिथि	छूट बढ़ाई जाने की तिथि	केंद्रीय निधि आयुक्त का सं०
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० वी सूरत इलैक्ट्रीसिटी क० लि०, इलैक्ट्रीसिटी हाउस, स्टेशन रोड, सूरत-395003	जी०जे०/ 901	एस-35014/75/ 88/एस०एस०-II, दिनांक 16-8-88	15-8-91	16-8-91 15-8-94	2/1786/88-डी०एल०आई०
2.	मै० वी० एस० एल० इण्डिया लि० जी०जे० सौराष्ट्र केमिकल्स, विरलासागर, पोरबंदर, गुजरात	जी०जे०/ 1367	एस-35014/8/ 87-एस०एस०-II दिनांक 21-1-87	20-1-89	21-1-90 20-1-93	2/174/89-डी०एल०आई०
3.	मै० टैक्नोप्लास्ट, 35, विडल उद्योग नगर, वल्लभ विद्यानगर, गुजरात	जी०जे०/ 2546	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89 पार्ट दिनांक 17-10-92	30-9-91	1-10-91 30-9-94	2/4094/90-डी०एल०आई०
4.	मै० श्री दिव्यिजय सीमेंट क० लि० जी०जे०/ डाकघर दिव्यिजयनगर, अहमदाबाद-382470	जी०जे०/ 3951	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89 पार्ट दिनांक 5-9-92	11-2-92	12-2-92 11-2-95	2/836/82-डी०एल०आई०
5.	मै० बुड़ीपोलीपर लि० एम०जी० रोड, बिलीमोरा-39321 बुलसर जिला	जी०जे०/ 4626	2/1559/डी०एल० आई०/छूट/89 पार्ट दिनांक 4-4-91	28-2-93	1-3-93 29-2-96	2/12852/90-डी०एल०आई०
6.	मै० मुजरात स्टेट कोप० बैंक, लिंगकघर नं० 392, सहकार खबन, रिलीफ रोड, अहमदाबाद-38001	जी०जे०/ 4655	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89 पार्ट दिनांक 26-2-92	26-8-92	27-8-92 26-8-95	2/376/89-डी०एल०आई०

1	2	3	4	5	6	7
7.	मैं रोलोकम सफोकर्ट कम्पनी आनन्द सोजीतरा रोड, वल्लभ विद्यानगर-388120	जी०जे०/ 6399	2/1959/डी०एल० आई०/कूट/89 पार्ट-1 दि० 17-10-92	31-5-92	1-6-92 31-5-95	2/4010/92- डी०एल०आई०
8.	मैं वेस्ट कोस्ट फारमास्ट्रॉटिकल्स वक्सी, 140, जी० आई०डी० सी० इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, नरोदा, अहमदाबाद	जी०जे०/ 6872	एस/35014(101) 88-एस०एस०-II, दिनांक 1-9-88	31-8-91	1-9-91 31-8-94	2/1789/88- डी०एल०आई०
9.	मैं भगवती सफेरोकास्ट लि०, 132/1, जी०आई०डी०सी० एस्टेट, ओघव-382145, अहमदाबाद	जी०जे०/ 7374	2/1959/डी०एल० आई०/89/ पार्ट-1 दिनांक 18-10-92	31-3-92	1-4-92 31-3-95	2/4162/92- डी०एल०आई०
10.	मैं एक्सल साईन (प्रा०) लि०, जी०जे०/ एक्सल एस्टेट, पो० बा० सं० 18, वलसाद-396001	जी०जे०/ 9552	2/1959/डी०एल० आई०/89/पार्ट-1 दिनांक 4-6-91	28-2-91	1-3-91 28-2-94	2/3583/91- डी०एल०आई०
11.	सिडमस्स लैबोरेटरीज (ई०) प्रा० लि०, एन०ए० सं० 8, एहराम, वलसाद-396001	जी०जे०/ 15824	2/1959/डी० एल० आई०/89/पार्ट-1 दिनांक 10-9-91	28-2-93	1-3-93 29-2-96	2/2794/90- डी०एल०आई०

अनुसूची—

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के एसी सुविधाएं प्रशंसन करेगा जो क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाद करेगा जो क्षेत्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्वाच करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, किसीरीणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संकाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संवाद आदि भी है, हाने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक प्रधारा किया जाएगा।

4. नियोजक, क्षेत्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, सब उक्त संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही रखरख है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के संविधान के रूप में उसका नाम तुरन्त बर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवेद करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समीक्षित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस रकीम के अधीन संदेश राहि से कम है जो कर्मचारी को उस ब्रह्मा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिश/नाम निर्वैशितों को प्रतिकर के हप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदेश करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपर्योग में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के ब्रह्मा नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना ईष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिस्वरूप अवसर होगा।

9. यदि किसी कारणक्षम स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों के प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीसि से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणक्षम नियोजक उस नियन्त्र तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम दियत करें, प्रीमियम का संदेश करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यवस्थित हो जाने किया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक बूद्धारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतीक्रम की दृष्टि में उन मृत सदस्यों के नाम निदर्शितों या विधिक वारिशों को जो यदि यह छूट श्री गर्द्ध हांसी तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरवाचिक नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कावार नाम निदर्शितों/विधिक वारिशों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सनिश्चित करेगा ।

श्री. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1/
1145—जहाँ अनुसूची में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) ।

चूंकि मैं, श्री. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशबान या प्रीमियम की अदायगी किये दिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, ताकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधिपै सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है) ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-2 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, श्री. एन. सोम प्रत्येक उक्त स्थापना का प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस से उक्त स्थापना के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कायमकातूर ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत हील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूँ ।

अनुसूची—1

क्र० स०	स्थापना का नाम व पता	कोड स०	छूट की प्रभावी तिथि	क्र० स० नि० आफा० स०
1	2	3	4	5
1.	मैं नाचेयरइंजीनियरिंग वर्क्स 141, पटेल रोड, रामनगर, पी०पी०-कोयम्बटूर-641009	टी०एन०/ 21441	1-7-90 से 30-6-93	2/4708/92/ डी०एल०आई०
2.	मैं यूनाइटेड कंवर्स, गोपाल बाग, 317, अवनाशीरोड, कोयम्बटूर-64198	टी०एन०/ 21394	1-6-88 से 30-5-91 1-6-91 से 30-9-94	2/4709/92- डी०एल०आई०
3.	मैं फिलमेनट्स विनडॉग (इन्वर) 63, सिडो हृष्णस्ट्रियल इस्टेट्स लि०, कोयम्बटूर-641021	टी०एन०/ 17455	1-2-91 से 31-1-94	2/4710/92- डी०एल०आई०
4.	मैं शांति सेल्स लि०, 304 ए. लिंची रोड, कोयम्बटूर-64105	टी०एन०/ 17290	1-4-91 से 31-3-94	2/4711/92- डी०एल०आई०
5.	मैं बीयस फाउण्डरी, थारगम, एस०पी० सं० 331, कालापनथिक पालायम, कोयम्बटूर	टी०एन०/ 21406	1-12-90 से 31-11-93	2/4712/92/ डी०एल०आई०
6.	मैं अरुणा आटो कस्टोंस सिंगनापुरी, गणपति, कोयम्बटूर	टी०एन०/ 21443	1-10-90 से 30-9-93	2/4713/92- डी०एल०आई०
7.	मैं रुटीस परीक्षन प्रोडक्ट्स उपावागम, गणपति, कोयम्बटूर	टी०एन०/ 21474	1-10-90 से 30-9-93	2/4714/92- डी०एल०आई०
8.	मैं रुटीस आटो प्रोडक्ट्स (प्रा०) उपावागम, गणपति, कोयम्बटूर-641006	टी०एन०/ 21454	1-10-90 से 30-9-93	2/4715/92- डी०एल०आई०

1	2	3	4	5
9.	मै. इंसीबूट आफरोड एण्ड ट्रांसपोर्ट टैक्सालोजी, पो.बा. सं. 2, श्री वासवी फालोज ईरोड़ा-638316	टी.एन.०/ 21242	1-12-88 से 30-11-91 1-12-91 से 31-11-94	2(4716)92/ डी.एल.आई.
10.	मै. आटो सर्विस उलवागम गणपति	टी.एन.०/ 21069	1-10-90 से 30-9-93	2(4717)92/ डी.एल.आई.
11.	मै. सद्गमी कार्ड क्लोथर्स मैन्यूफैक्चरिंग कॉ.लि.०, यूनिट-II, तीसरी कै.एम.० कुण्डलिगंग रोड, पो.बा. सं. 33, हुरार-635109	टी.एन.०/ 21483	1-8-89 से 28-2-90	2(4718)92/ डी.एल.आई.
12.	मै. प्रश्नियन बीयरिंग लि.०, बेरीबाईरोड, हुशर, टलुक, घर्मपुरी जिला-635124	टी.एन.०/ 17496	1-1-88 से 31-12-90 1-1-91 से 31-12-94	2(4719)92/ डी.एल.आई.
13.	मै. धन्नालक्ष्मी इण्डस्ट्रियल, 204, सूर्य मंगलम रोड, फोलापट्टू-सलैम	टी.एन.०/ 8657	1-3-89 से 29-2-92	2(4720)92/ डी.एल.आई.
14.	मै. शाहाकील लि.०, 177, सिपकोट इण्डस्ट्रियल कम्लैक्स हुशर-635125	टी.एन.०/ 17202	1-8-91 से 30-7-94	2(4721)92/ डी.एल.आई.
15.	मै. हज्जस्ट्रियल 17, अवारामपालथम रोड, गणपति (पी.ओ.०) कोयम्बटोर-641006	टी.एन.०/ 21845	1-11-90 से 31-10-93	2(4722)92/ डी.एल.आई.
16.	मै. सलैम अर्दन कॉ.०-आप० बैंकलि०, पहला आगराहरन, सलैम-636001	टी.एन.०/ 8672	1-2-88 से 31-1-91 1-2-91 से 31-1-94	2(4723)92/ डी.एल.आई.
17.	मै. यूनाइटेड मोटर (बी.ई.०) प्रा.० लि०, 317, अवनाशी रोड, कोयम्बटोर-641018	टी.एन.०/ 9692	1-5-88 से 30-4-91 1-5-91 से 30-4-94	2(4724)92/ डी.एल.आई.
18.	मै. मारबल ईजीमियरिंग इण्ड अम्मान कोलम रोड पी.० एम.० पालायम कोयम्बटोर-37	टी.एन.०/ 17016	1-12-87 से 30-11-90 1-12-90 से 30-11-93	2(4725)92/ डी.एल.आई.
19.	मै. जी.० प्लास्ट (प्रा.०) लि०, गोपाल बाग 316, अवनाशी रोड, कोयम्बटोर-641019	टी.एन.०/ 21235	1-5-88 से 30-4-91	2(4726)92/ डी.एल.आई.
20.	मै. ईकोसर्ट्पो.० बा.० सं. 37, चर्चरोड, कन्नौर-643101	टी.एन.०/ 25012	1-2-92 से 31-1-95	2(4727)92/ डी.एल.आई.

अनुसूची-I

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विघ्न करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाद करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के सुण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संवाद, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संवाद आदि भी है, हाने वाले सभी व्यागों का यहान नियोजक द्वारा किया जायगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के धिरमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की एक प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बाइंगों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करें।

5. यदि कोई एसे कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबंध रखेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समीक्षित रूप से विविध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनकाल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञाय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि से कम है जो कर्मचारी को उस बात में संबंधित होती जाने वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विशिक वारिस/नाम निर्देशितों को ग्राहित करें। जिससे कि उक्त स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनकाल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञाय है।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन को दिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व

कर्मचारियों को अपना इष्टकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अपनी नहीं रख जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्रमाण होने वाले लाभ किसी रीत से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश स्थापना के नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाद करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यवस्था होने जाने दिया जाता है तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यापक म की बातें जो उस मृत सक्षमों के नाम विवरेशितों या विधिक वारिसों के यो यदि वह छूट न हो पर्ह होती हो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरादायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों के बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोब
क्षेत्रीय भविष्य मिशन आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/
1153—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजिताओं ने (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपलब्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए जीवन बीमा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

भौकि मैं, बी. एन. सोब, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई असर अंशवान या प्रीमियम की अदायगी किए जिन जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निष्पेसहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-2 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोब, प्रत्येक उक्त स्थापना के प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1 में उल्लिखित पिछली तारीख से अभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त आनंद प्रवेश ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत छूट प्रदान की है, 3 अर्थ की जबाबिदी के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूं।

अनुसूची-1

क्र.सं.	स्थापना का नाम व पता	कोड सं	छूट की प्रभावी तिथि	क्र. सं. भ० भ० नि० आ० फ० स०
1. मै० ज०क० सिर्वैटिक एम्प्लायर्स क००-आप० सोसाइटी लि०, ज०क० मगर क०दा, राजस्थान	आर०ज००, 1610	1-12-91 से 31-11-94	2/348/92- डी०ए०आ०ई०	
2. मै० राजस्थान सिल्क मिल्स (न्य० यूनिट) इ.स्ट्रीट एस्टेट भीलवाडा राजस्थान	आर०ज०१, 4243	1-7-89 से 30-8-92	2/4577/92- डी०ए०आ०ई०	

अन्तर्राष्ट्रीय- I

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सूचियाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की भारा 17 की उपभारा (3-क) के लिए-के के अधीन समय-समय पर नियोजित करें।

3. सामूहिक दीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, दीमा प्रीमियम का संदर्भ, लेखाओं का अंसरण, निरीक्षण इभार का संबंध आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मूल्य वास्तों का अनुबाद स्थापना के सम्बन्ध पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक दीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी दावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन दीमा निगम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ मङ्गाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में भविष्यत रूप से विद्युत किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अन्तर्भूत हैं।

7. सामूहिक वीमा स्कीम में किसी वात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भे राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस वक्ता में संवाय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/साम निदर्शनों को प्रतिकर के रूप में वरोंनों राशियों के बंतर बराबर राशि का संवाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपर्युक्त में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभालना हो यहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दीप्तिकोण स्पष्ट करने का युक्तिसंयुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय वीक्षण वीमा नियम की उस सामूहिक वीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ विसी रीति से कम हों जाते हैं तो यह रखद की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणशब्द नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन द्वीपा नियम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छठठ रखव की जा सकती है।

11. नियोजक व्यवारा प्रीमियम के संबाय में किए गए किसी व्यापारिकम की दशा में उन मूल सवासों के नाम निर्देशित होंगे या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती हों तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संबाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन शाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कार नाम निवृ-
ष्टियों/विधिक वारियों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक भाव
के भीतर सनिक्षिप्त करेगा ।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निर्धा. आयूक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजाम/89/भाग-1/
 161—जहाँ अनुसन्धी-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे
 इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कम्पारी भविष्य
 निधि और डकीर्ण छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें
 सके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) ।

चूंकि मैं, वी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि बायुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना को कर्मचारी कोई असर अंदरावान या प्रौद्योगिकी की अदायगी किये दिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एसें कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निकॉप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 1 (क) वृत्ताश प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची- II में उल्लिखित सत्रों के अनुसार मैं, मी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना का प्रत्येक के सामने (अनुसूची- I में) उल्लिखित पिछली तारीख में प्रभावी जिस हित से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निर्धारण आयुक्त मद्रास स्कूल की धारा 28(7) के अंतर्गत छील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कूल से संबालन की छूट देता हूँ।

अनुसूची—1

क्रं सं	स्थापना का नाम व पता	कोड सं	छूट की प्रभावी तिथि	क्रं नि आंका सं
1.	मै० चैमफैब अकाली लि०, कालापट, पांडिचेरी	पी०सी०/ 277	1-३-८९ से २९-२-९२	2/4796/92-डी०एल०आई०
2.	मै० विक्टोरिया टैक्नीकल अन्ना सलाई, मद्रास	टी०एन०/ 2555	1-३-९० से २८-२-९३	2/4783/92-डी०एल०आई०
3.	मै० इण्डियन अर्गेनिक केमिकल लि०, चन्ना सीकाडू मन्दली, मद्रास-६८	टी०एन०/ 9614	1-९-७८ से ३१-८-९०	2/4785/92-डी०एल०आई०
4.	मै० स्ट्रक्चरल कम्पैनी प्रा० लि०, २१ के सिङ्को, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, अम्बटूर, मद्रास	टी०एन०/ 16990	1-८-८९ से ३१-७-९२	2/4740/92-डी०एल०आई०
5.	मै० इण्डस्ट्रीयल आक्सीजन कं० लि०, मनाली एक्सप्रेस, हाई-वे, मनाली मद्रास	टी०एन०/ 22010	1-५-९२ से ३०-४-९५	2/4742/92-डी०एल०आई०
6.	मै० प्लान्ट कन्स्ट्रक्शन्स प्रा० लि०, इंस्ट कोस्ट चेन्नैर तीसरी, भंजिल, ९२, जी० एन० चैट्टी रोड, टो० नगर, मद्रास-६०००६२	टी०एन०/ 20567	1-३-९२ से ३०-४-९५	2/4784/92-जा० एल० आई०

अनुसूची- 1

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त के एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के १५ दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा १७ की उपधारा (३-क) के लाई-के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और उक्त कमी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की व्यु-संस्था की भाषा में उसकी मात्र दातों का अनवाद स्थापना के सम्मान पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के संवृत्ति के रूप में उसका नाम संरक्ष दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए गामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञाय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मर्त्य पर इस स्कीम के अधीन संबंधी राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंधी होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निवैधीतों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और उसके किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतीकूल प्रभाव पड़ने की संभवता हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्थिर करने का यक्षितात्मक अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना एहते अपना लूकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले नाम किसी रीत से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियन करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिमी को व्ययगत हो जाने विषय जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक बैठारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी अधिनियम की दशा में उन भूत सदस्यों के नाम निवैशितों या विधिक वारिसों के जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, दीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होता ।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक बैस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवैशितों/विधिक वारिसों की दीमाकृत राशि प्राप्त होने की एक माह के भीतर सन्तुष्ट करेगा ।

श्री. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयोजन

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1/
1169—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के

अनुसूची-1

विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) ।

चूंकि मैं, डी. एल. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी को ही अंतर्गत या श्रीमियम की अवायगी किए जिन दीमा के छूट में भारतीय जीवन दीमा नियम को सामृहिक दीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधेप सहबद्ध दीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अमूल्य है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है) ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम भंगालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संस्था तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसूचन में तथा संलग्न अनुसूची-II में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, डी. एल. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना की और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं जैसाकि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है ।

क्रमांक	स्थापना का नाम व पता	कोड सं.	भारत सरकार की अधिसूचना सं. और विनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान की गई/विस्तार किया गया	पहले से छूट की तिथि	छूट बढ़ाई जाने की अवधि	केंद्रीय निधि का सं.
1	2	3	4	5	6	7
1.	मैं दूसरी एण्ड कम्पनी, 29, लाईट इण्डस्ट्रियल एसिया, जोधपुर-342003	आर०जे०/ 2359	एस-35014/66/ 88/एस०एस०-II, दिनांक 26-7-88	25-7-91	26-7-91 से 25-7-94	2/1780/88-डी०एल०आई०
2.	मैं इण्डस्ट्रियल इंजीनियरिंग क०, 25 कि० मी० स्टोन अजमेर बीबेर रोड मंगलियावास 305203-अजमेर	आर०जे०/ 4913	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89 पार्ट-1 दिनांक 22-7-91	31-10-91	1-11-91 से 31-10-94	2/3518/91-डी०एल०आई०

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियों भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के सिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के अधीन समय-समय पर निर्देश करें ।

3. सामृहिक दीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रहा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, दीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अंतर्गत निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वाया किया जायेगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्मोदित सामृहिक दीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की छह-संस्था की भाषा में उसकी मस्त बारों का अनवाद स्थापना के सचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक समूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तरस्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध सामग्री जाते हैं तो नियोजक समूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किये जाने की आवश्यक करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से उधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञा है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हास्ते हाए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संकेत राशि से कम है जो कर्मचारी को उम दण में संदेश हासी जह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवैधितों के प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बाबत राशि का संबाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन बनें से पूर्व कर्मचारियों के अपना दीर्घकाल स्पष्ट करने का योक्तव्य अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणबाट स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम और उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले बना लकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो वह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणबाट उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संबाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यवस्था हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संबाय में किए गए किसी व्याहिक की दशा में उन भूत सदस्यों के नाम निवैधितों या विधिक वारिसों के जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संबाय का उपरवायित नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक द्वारा स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हुक्मदार नाम निवैधितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सन्तुष्टित करेगा।

बी. एन. सोम,
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/बी. एल. आई./एक्सम/89/भाग-1/
1185—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (पि-इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपलब्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग बंशबाद या प्रीमियम की अवायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का साम उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियोक्त निवैधित सहभवध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों में विधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नथा उसके माध्यम संलग्न अनुसूची-2 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के मामने (अनुसूची-1-में) उल्लिखित दिल्ली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत दील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संबालन की छूट देता हूं।

अनुसूची-1

क्रम सं	स्थापना का नाम व पता	फोड सं	छूट की प्रभावी तिथि	के ० भ० नि आ० का० सं०
1	2	3	4	5
1.	मै. एरिहन्ट टाइल्स एंड मारबस्स प्रा० लि०, उदयपुर एम०ए०, लाइ० नायवाडा रोड, उदयपुर, राजस्थान।	आर०जे०/ 5238	1-10-89 से 30-9-92	2/4704/92- बी०ए०आ०
2.	मै० समुदाई इलेक्ट्रोनिक्स प्रा० लि०, ई०-76 इण्डस्ट्री-यल एस्टेट पुरा बजमेर, राजस्थान।	आर०जे०/ 9465	1-6-90 से 31-5-93	2/4703/91- बी०ए०आ०

अमरसर्वी-2

1. उक्त स्थापना को सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित भेत्रीय भविष्य निधि आयकृत. को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे सेवा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयकृत, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाद करेगा जो कोन्वीन सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के छप्पन-के के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामाजिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखांजों का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा व्यवस्था का संदाय, लेखांजों का अंतरण, निरीक्षण प्रबार का संदाय आदि भी है, हमें बाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन को प्रति तथा कार्यालयों की बहुसंस्था की भाषा में उसकी मुद्द्य वालों का अनवाद स्थापना के सच्चता पट्ट पर प्रर्वाणित करेगा।

5. यदि कोइ ऐसा कर्मचारी भविध निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थानों की भविध निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक समूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेंगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीभियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सम्बन्धित रूप से वृद्धि दिए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियां के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध साभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन बनाये हैं।

७. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हांते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वज्ञा में संदेश हांती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वार्षिक/नाम निवैशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

४. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्ता के पर्याय अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना हीटकरेण स्वष्टि करने का युक्तिकर्ता अधिसर देंगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रख जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले साम किसी रीत से कम हो जाते हैं तो यह रख की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणबद्ध निवेशक उस निवेश तारीख के भीतर जो भारीय जीवन बीमा नियम नियम करें, भीमियम का संदर्भ करने में असफल रहा है और बोनसी को व्यपकत हो जाने दिया जाता है तो छठ रखव की जा सकती है ।

11. नियोजक व्यापारा प्रीमियम के संबंध में किये गये किसी व्यतिक्रम की वज़ा में उन मूल सदस्यों के नाम निवैधितियों पर विधिक आरिस्तों को जो यदि यह छन्त न दी गई होती सो उक्त स्फीम के बंतर्गत होते, वीमा लाभों के संबंध का उत्तर-दायित्व नियोजक पर होता ।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में वियोजक इस स्कीम के अर्थात् आने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कदार नाम निवैधितों/विधिक धारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सन्तुष्टि करें।

बी. एन. सोम,
कल्पनीय भविष्य विभिन्न वास्तविक

सं. 2/1959/झौ. एल. आई./एक्जेम/89/भाग-1/
 1193—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकोण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत सूत्र के प्रिसार के लिए आवेदन किया है (जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

थृकि भैं, बी. एन. सोम, कोन्कणीय भविष्य निर्धारण आयोजन, इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कीइ अलग अंशालाय या ग्रीनिंग की अवाधी किसे बिना बीड़न बीड़ा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की साधुहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधिपै सहायता बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य सम्बोध से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त विविधों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संसाध अनुसूची-2 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार ^{मृ} वी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1-में) उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अमृतसर ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत ढैल प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छाट देता है।

अनुसूची-1

क्रम सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० सं०
1	2	3	4	5
1.	मै० नवराम प्रोसेसर प्रा० लि०, पो०आ० खन्ना नगर काश्मीरा रोड, अमृतसर (पंजाब)	पी०एन०/ 15486	1-1-90 से 31-12-93	2/4650/92- डी०एल०आई०
2.	मै० बी० एक्स०एल० रजि०इण्डिया लि०, (ओ०सी०एम०बूलन मिल्स) जी०टी० रोड, अमृतसर, पंजाब	पी०एम०/ 60	1-12-89 से 30-11-92	2/4349/92- डी०एल०आई०

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे सेवा रखेगा सभा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. 1 नवांगक, ५ सं। नरोक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संबाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के संबंध-के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत सेवाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संबाय, सेवाओं का अंतरण, निरोक्षण प्रभार का संबाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वावाय किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति हाथा कर्मचारियों की वह-संस्था की भाषा में उसकी घम्म बातों का अनुवाद स्थापना के सचना पट्ट पर प्रवर्णित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सबस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबत करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ द्वारा जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सम्बित रूप से विविध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अतिक्रम अनकाल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बाल के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश द्वाये होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में वानों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों के अपग्र दीप्तिक्रेण स्पष्ट करने का विवितावल अवश्यक देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले सभा किसी रीत से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीके के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संबाय करने में असफल रहता है और पालिसी के व्ययगत हो जाने विद्या जाता है तो छट द्वाय की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संबाय में किये गये किसी व्यक्तिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छट द्वाय गई होती हो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संबाय का उत्तराधित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके द्वारा नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिहित करेगा।

वी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/झी. एल. आइ./एकायम/89/भाग-1/
 1201—जहां अनुसूची-1 मेरे उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे
 इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी
 भविष्य निधि और प्रकारी उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952
 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के
 लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधि-
 नियम कहा गया है) ।

चूंकि मैं, दी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त हूं इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई असर अंशवान या प्रीभियम की अदायगी किये जीवन जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामिल बीमा स्कीम का

लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निकंप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य सामौ सं अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है) ।

अतः उक्त अधिभित्यम् की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-2 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, श्री. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना का प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस विधि से उक्त स्थापना को क्षंक्रीय भविष्य निधि आयक्त उड़ाया ने स्कीम की धारा 28 (7) को अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छाट देता है।

क्र० मं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० सं०
1	2	3	4	5
1.	मै० कोनार्क टेलीविजन लि०, इलैक्ट्रानिक्स भवन रसूलगढ़, भुवनेश्वर	ओ०आर०/ 1350	1-12-88 31-11-91	2/4502/92- डी०एल०आई०
2.	मै० इण्डियन मीटर्स एण्ड कारबाइंड लि०, वीमीब्लैल रसूलगढ़, भुवनेश्वर-751010	ओ०आर०/ 1575	1-1-88 31-12-91	2/4501/92- डी०एल०आई०
3.	मै० रेडीपन्ट इलैक्ट्रानिक्स लि०, ए-129, मानवसवर इन्डस्ट्रीयल एस्टेट, भुवनेश्वर-751010	ओ०आर०/ 3279	1-2-89 31-1-92	2/4523/92- डी०एल०आई०

अद्यता-१

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे होका रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, दूसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के तष्ठ-के के अधीन समय-समय पर निवेदा करें ।

3. सामृद्धिक वीमा स्कीम के प्रधासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, वीमा प्रीमियम का संदर्भ, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदर्भ आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक ध्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनमोदित सामग्रिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंस्था की भाषा में उसकी मूल वार्ताओं का अनावृत्त स्थापना के सचिन पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक समूहक द्वारा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आधिकारिक नियम भारतीय जीवन द्वारा नियम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक समूहिक तीम स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों से समृद्धि रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक तीम स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जाए उक्त स्कीम के अधीन अनुमय है।

7. सामूहिक धीरा स्कीम में किसी आत के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद्य राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवृत्तियों को प्रतिकर फेर रूप में दानों राशियों के अंतर बराबर राशि का संवाय करेगा ।

8. सामूहिक गीता स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संसोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयकृत के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और उहां किसी संसोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयकृत अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना हाईटक्सेंस स्पष्ट करने का यकिसप्रकृत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिस स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीसिंसं कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियम तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियमित करते, प्रीमियम का संदाय करते हैं असफल रहता है और पारिस्थि के व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक व्याराग्रीमियम के संबाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सवस्यों के नाम नियर्वैशितों या विधिक वारिशों को जो यदि रह छूट न दी रहे होंती हों उक्त स्कीम के अन्तर्गत होंते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हृदयार नाम नियर्वैशितों/विधिक वारिशों की बीमाकूल राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई. /एक्जाम/89/भाग-1/
1209—जहां अनुमूल्यी-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

धूंकी मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदात या प्रीमियम की अदायगी किये दिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम को सामर्हिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियोजे सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य नाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा शम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संस्था तथा हितिथ जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुमूल्यी-2 में नियोजित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपदन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष तक अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुमूल्यी-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

अनुमूल्यी-1

क्र. स्थापना का नाम व पता सं.	कोड सं.	भारत सरकार की अधिकृत सूचना सं. तथा दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान की गई/विस्तार किया गया	छूट की तिथि	छूट बढ़ाई जाने की तिथि	केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त का सं.	
1	2	3	4	5	6	7
1. मैं सन्त ब्राह्म मैटल वर्क्स जी.टी. रोड, बाईपास पठान- कोट चौक जालंधर, पंजाब	पी.एन.०/ 601	2/1959/डी.एल.०/ आई०/छूट/८९/पार्ट-१ दिनांक २२-५-८९	३०-११-८९	१-१२-८९ ३०-११-९२	१-१२-८९ ३०-११-९२	२/१७३१/ डी०एल०आई०
2. हिन्दू समाचार लि.०, सिविल लाइन्स जालंधर- १४४००४ (पंजाब)	पी.एन.०/ १२००	२/१९५९/डी.एल.०/ आई०/छूट/पार्ट-१ दिनांक २२-५-८९	३१-८-८९	१-९-८९ ३१-८-९२	१-९-८९ ३१-८-९२	२/२१६३/८९- डी०एल०आई०
3. मैं पंजाब पाईप फिटिंग्स इंडस्ट्रीज जी.टी. रोड, बाईपास, जालंधर-१४४००४	पी.एन.०/ ५६७४	एस-३५६१४/२३/ ८८/एस.एम.११, दिनांक ८-६-८८	८-६-८१	९-६-९१ ८-६-९४	९-६-९१ ८-६-९४	२/१७३२/८८- डी०एल०आई०

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पहलात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि अयुक्त, को एंसी विवरणियों भेजेगा और एसे सेक्षा रखेगा तथा नियोजन के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विवृत करें।

2. नियोजक, एसे नियोजन प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के अन्तर्क के अधीन समय-समय पर निर्विवृत करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत सेक्षाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय सेक्षाओं का अन्तरण नियोजन प्रभार का संदाय अद्य भी है, होने वाले सभी व्यायों का वहां नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुमत्यका की धारा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रवर्णित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तूरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम थे संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध नाम बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सम्मिलित रूप से विभिन्न क्रिए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अन्तर्गत हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है, नियोजक कर्मचारी के विधिक क्षारिस/नाम नियोजितों को प्रतिक्रिया के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोहॉट भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्ण अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन है कर्मचारियों के हित पर प्रतिक्रिया प्रभाव पड़ने की संभावना है, वहां

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने सं पूर्व कर्मचारियों को अपना सम्प्रिक्त करने का यक्तियक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुक्की है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले साम किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह छूट दर्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट दर्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में क्रिए गए किसी व्यानिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम नियोजितों में विधिक अंतरिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा नाभों के भवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कार नाम नियोजितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/3715/91-डी. एल. आई. /1217-चूंकि मैसर्स श्री रायलासीमा एलकलाज एण्ड एलाइल कैमीकल्स लिमिटेड (ए.पी./20817) को कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 17 (2क) के अन्तर्गत अधिसूचना जारी होने के बावजूद छूट प्रवान की गई है।

उक्त स्थापना ने 1-12-90 से ठेकेदार और आकस्मय कर्मचारियों के सम्बन्ध में अचूट प्राप्त स्थापना के भावित कर्मचारी नियोजन महबूब बीमा योजना 1976 के अंतर्गत अनुपालन करना प्रारम्भ कर दिया है।

उपरोक्त के देखते हुए, मैं, बी. एन. सोम, अधिनियम की धारा 17 (2 ल) के अंतर्गत अधिसूचना सं. 2/1959/डी. एल. आई. /छूट प्राप्त/89/भाग-1/1263 विनांक 29-7-91 द्वारा 1-12-90 से 30-11-93 तक प्रवान की गई छूट को रद्द करता हूं।

बी. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

अनुसूची—1

सं० के० भ० नि० आ०। (4) टी० एन० (527)/92/1107—केन्द्रीय—भविष्यनिधि आयुक्त को जहां प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रक्रिय उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किये जायें।

क्रमांक	कोड सं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1.	टी०एन०/27038	मै० जय नरसिंहदेव, 21, वैस्ट फोर्क स्ट्रीट, बृद्धाचलम—1	01-08-1989
2.	टी०एन०/23300	मै० तमिलनाडू एसोसिएशन फार दी रिहैब्लीटेशन आफ वीहैण्डीकैष (रिहैब्लीटेशन सेंटर) 26, मुथिया गार्डन स्ट्रीट, रायपेटा 5 मद्रास—14	01-10-1988
3.	टी०एन०/23471	मै० कलसमूहम मिल्क प्रोड्यूसर्स को—आप० सोसा० टी० पी० डी०—480, कलासुन्हरम पोस्ट, पोलूर तालुक, टी० एन० डि० (टी०एन०)	01-09-1989
4.	टी०एन०/23472	मै० कुण्डम मिल्क प्रोड्यूसर्स को—आप० सोसा० कुण्डम पोस्ट (वाया) कनूमंगलम, पोलूर तालुक, एन०डी० टी० एन०	01-01-1989
5.	टी०एन०/23514	मै० पोली रेसिम्स, एस—II, सिड्को इंडस्ट्रियल इस्टेट, कोडिमगयूर, मद्रास—51	01-07-1989
6.	टी०एन०/23661	मै० वन्नाकुलम मिल्क प्रोड्यूसर्स को०—आप० सोसा०, वन्नाकुलम विलेज एण्ड पोस्ट, अरानी तालुक, टी०एस०डी०	01-09-1989
7.	टी०एन०/23663	मै० एस०पी० सेल्स एण्ड सर्विस, ए० बी०—101 6 वां मेन रोड, शांति कालोनी, अन्ना मगर, मद्रास—40	01-10-1989

अतः मैं, वी० एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप धारा (4) द्वारा प्रदत्त शब्दियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं पर उन या उन प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूं जो उक्त स्थापना के नाम के सामने असाई गई हैं।

वी० एन० सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
REGIONAL OFFICE ORISSA

Bhubaneswar-7, the 19th March 1993

Sub : Constitution of Local Committee under the E.S.I. Act
at Telengapentha Area.

No. 44-V-34/12/39/92-Benefit.—It is hereby noticed that the Local Committee Telengapentha Area in District of Cuttack has been constituted under Regulation 10-A of the E.S.I. (General) Regulation—1950 consisting of the following members with effect from the date of issue of the notification.

CHAIRMAN

1. Under Regulation 10-A(i)(a)
Deputy Labour Commissioner, Cuttack.

MEMBER (GOVT. NOMINEE)

2. Under Regulation 10-A(i)(b)
District Labour Officer, Cuttack.

EX-OFFICIO MEMBER

3. Under Regulation 10-A(i)(c)
Insurance Medical Officer In-Charge,
E.S.I. Dispensary, Telengapentha.

MEMBER

4. Under Regulation 10-A(i)(d)
Employer's representatives.(i) Sri Biswanath Das, Manager,
M/s. Aditya Steel Industries,
Telengapentha, Cuttack.

MEMBER

(ii) Mohammed Maghes Amit Khan, Partner,
M/s. S. Akbar Khan & Co. Telengapentha,
Cuttack.

MEMBER

(iii) Sri Kamal Kumar, Chief Executive,
M/s. Konark Construction & Engineers Limited,
Telengapentha, Cuttack.

MEMBER

5. Under Regulation 10-A(i)(e)
Employees' representatives(i) Sri Basudev Mallick, Welder
M/s Aditya Steel Industries,
Telengapentha, Cuttack.

MEMBER

(ii) Sri Ram Das, Worker,
M/s. S. Akbar Khan & Co. Telengapentha,
Cuttack.

MEMBER

(iii) Sri Maguni Behera, Worker
M/s. Konark Construction & Engineers
Limited, Telengapentha, Cuttack.

MEMBER & EX-OFFICIO SECRETARY

6. Under Regulation 10-A(i)(f)
The Manager, Local Office E.S.I. Corporation
Kalyaninagar (Khapuria), Cuttack.SRI B. K. SAHU
Regional Director

MINISTRY OF LABOUR

OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND
COMMISSIONER

New Delhi-110001, the 2nd February 1993

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/1030.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I. B. M. SOM, Central Provident Funds Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Madras from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	CPFC's File No.
1.	M/s Milgerian Applications Pvt. Ltd., 425, Panthon Road, Egmore, Madras-8.	TN/19917	1-9-89 to 31-8-92 & 1-9-92 to 31-8-95	2/4815/93/DLI
2.	M/s P.S. Senior Secondary School, 15, Alamelu, Mangapuram, Mylapore, Madras.	TN/23938	1-4-92 to 31-3-95	2/4816/93/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1038.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act.)

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Haryana from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE.I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s Abrol Watches (P) Ltd., Plot No. 62, HSIDC Industrial Estate, Kundli Distt. Sonepat, Haryana.	HR/11745	1-7-90 to 30-6-93	2/4457/92/DLI
2.	M/s Kashmir Katha Industries (P) Ltd., G.T. Karnal Road, Near Nidhu Cinema, Kundli (Haryana) PIN No. 131028.	HR/10842	1-9-90 to 31-8-93	2/4458/92/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act is employed in his establishment the employer shall immediately admit as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1046.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act:—

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said establishment mentioned in Schedule-I against said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Coimbatore from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	CPFC's File No.
1.	M/s Mahendra Engg. Works, Puliyakulam, Coimbatore-641045	TN/5895	1-12-87 to 30-11-90 & 1-12-90 to 30-11-93	2/4672/92/DLI
2.	M/s Gedee Hopt (P) Ltd., P.O. Box No. 1480, 317, Avanshi Road, Coimbatore-641018	TN/6935	1-5-88 to 30-4-91 & 1-5-91 to 30-4-94	2/4673/92/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DL/Exempt/89/Pt.I/3054.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

S. No. & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended.	Date of expiry earlier exemption further extended.	Period for exemption further extended.	CPFC's
1. M/s Larsen & Tubro Ltd., Powai Works, Saki Vihar Road, Powai, Bombay—400072 alongwith its branches cover under the same code No.	MH/424	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 31-1-92	24-9-95	25-9-91 24-9-94	2/289/79//DLI
2. M/s Indian Aluminium Co. Ltd., Belapur Road, Kalwa, Thane-400605 alongwith its branch covered under the same code No.	MH/616	S-35014/96/84-SS. IV dated 23-10-84	22-10-87 22-10-90 23-10-90 22-10-93	23-10-87 22-10-90 23-10-90 22-10-93	2/28/76/DLI
3. M/s Hindustan Organic Chemicals Ltd., P.O. R. Sayain-410207 Distt. Raigad. alongwith its branches covered under the same code no.	MH/12152	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 28-6-89	28-2-91 28-2-94	1-3-91 28-2-94	2/2119/89/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1067.—WHEREAS M/s. Ishwar Ashish Plastics Pvt. Ltd., 501/E, GIDC, Halol-389350 (GJ/20172), have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) :

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment is, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

Now, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule. In annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner Baroda from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1-10-92 to 30-9-95.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exem/89/Pt.I/1075.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule I against their names.

SCHEDULE-I

Sl No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended.	Date of expiry earlier exemption.	Period for exemption further extended.	CPFC's File No.
1.	M/s Elforgo Ltd., Ramachandra Road, Nagaswara Puram, Madras-4.	TN/4754	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 5-10-89	31-12-90	1-1-91 to 31-12-93	2/2544/90/DLI
2.	M/s Caromandal Engineering Company Ltd., 46, Hind Line Beach, Madras-600001.	TN/11559	Do. dated 17-11-89	31-5-90	1-6-90 to 31-5-93	2/2589/90/DLI
3.	M/s Sundaram Forge No. 47, Kalashetra Road, Thiruvanmiyur Madras-41. Work at 93, GST Road, Pallavaram, Madras-43.	TN/19855	Do. dated 21-12-89	31-10-91	1-11-91 to 31-10-94	2/3145/90/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if to the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of his exemption, shall be that of the employer.
12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s) legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1083.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28 (7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Kanpur from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	CPFC's File No.
1.	M/s Vishnu Engineering Industries, Ramghat Road, Niranjanpuri, Aligarh (U.P.)	VP/4064	1-9-89 to 31-8-92	2/4805/93/DLI
2.	M/s Dugdh Utpadak Sahakari Sangh Ltd, Raunghat Road, Aligarh.	VP/4186	1-12-88 to 30-11-90	2/4806/93/DLI
3.	M/s Nervy Lock Col. C-7, Industrial Estate, Aligarh.	VP/4864	1-11-88 to 31-10-91	2/4807/93/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct clause (a) sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1091.—WHEREAS THE employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended.	Date of expiry earlier exemption.	Period for exemption further extended.	CPFC's File'No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s Rustam Mills & Industries Ltd. O/s Delhi Gate, Dudheswpr Road, Ahmedabad.	GJ/297	2/1949/DLI/Exemp/89/Pt. I dated 22-4-91	29-7-92	30-7-92 to 29-7-95	2/339/80/DLI
2.	M/s Jamnagar Distt. Co-op. Bank Ltd. Sahakari Bhawan, Ranjit Road, Jane Nagar-361001.	GJ/4658	Do. dated 29-8-90	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/320/80/DLI
3.	M/s The Sabarkantha Distt. Central Co-op. Bank Ltd., Himat Nagar.	GJ/4665	S-35014/22/86-SS. II Dated 5-2-86	4-2-89	5-2-89 4-2-92 5-2-92 5-2-95	2/1327/85/DLI
4.	M/s Fine Cast (Gujarat) Pvt. Ltd., 133-34, Vithal Udyognagar, Vallabh, Vidhyanagar-388120	GJ/7536	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I dated 1-1-90	1-1-90	1-10-91 30-9-94	2/2499/90/DLI
5.	M/s Kanoria Chemicals & Ind., Plot No. 3407, GODC Industries, Ankleshwar-390002.	GJ/9725	Do. dated 1-1-90	29-2-92	1-3-92 28-2-95	2/2492/90/DLI
6.	M/s Institute of Rural Management P.B. No. 60, Anand-38801.	GJ/13777	Do. dated 20-11-91	31-5-92	1-6-92 30-5-95	2/3461/91/DLI
7.	M/s Esvi Industries, Opp. PDM Commerce College, Gondal Road, Rajkot-360004.	GJ/16655	Do. dated 1-1-90	29-2-92	1-3-92 28-2-95	2/2497/90/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employee, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of insurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959-DLI/Exemp/89/Pl.I/1099.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

NOW THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Madurai from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s Tamilnadu Gears & Shaft Corporation, Industrial Estate Singampunari.	TN/10155	1-5-91 to 30-4-94	2/4896/93-DLI
2.	M/s Sri Rameo Spinners, Post Box No. 127, Krishnapuram Road, Rajapalayam-626112.	TN/24656	1-1-92 to 31-12-94	2/4897/93-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of insurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. FP.2(10)/93/1062.—Whereas M/s CMC Limited, 1, Ring Road, Kilokri, Opp. Maharani Bagh, New Delhi-110014 has forwarded an application in respect of its employee Shri K. K. Krishnan Kutty, (AP/5954) for grant of exemption from Employees' Family Pension Scheme, 1971 under section 17(1-C) of Employees Provident Funds & Misc. Provisions Act, 1952 (19 of 1952).

AND WHEREAS I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner am satisfied that the benefits in the nature of Family Pension under the Government of India Pension Rules (C.C.S. Pension Rules) applicable to this individual employee of the said establishment are more favourable than the benefit provided under the Employees Family Pension Scheme, 1971.

NOW THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1-C) of section 17 of the said Act, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, hereby exempt, the above said individual employee of the said establishment who was under the employment of the Central Government before absorption in the above establishment and was governed by the C.C.S. Pension Rules, from the operation of all provisions of the Employees Family Pension Scheme, 1971 with effect from the date of issue of the Notification or from the last date of service of those who retired after exercising option in terms of Govt. orders dated 22-1-90 & 7-4-92 on the following terms and conditions :

1. these employees will not be entitled to or claim any benefit(s) under the Employees' Family Pension Scheme, 1971 from the date of exemption.
2. Option once exercised for grant of exemption from Employees' Family Pension Scheme, 1971 will be irrevocable.
3. The employer in relation to each of the said employee shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned, maintain such accounts and provide such facilities for inspection as Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1113.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

NOW THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Orissa from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE—I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	CPFC's File No.
1.	M/s Orissa State co-operative Bank Ltd., Sachivalaya Marga Bhubaneswar-751001.	OR/822	1-12-87 to 30-11-90	2/4468/92/DLI
2.	M/s Konark Cylinder and Containers Ltd., 1, Suheed Nagar, Bhubaneswar-751007.	OR/3524	1-2-88 to 31-1-91	2/4639/92/DLI

SCHEDULE—II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.1/1121.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment is, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

Sl. No. & Address of the No. establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/ extended.	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended.	C.P.F.C's File No.
1. M/s Sri Sathavahane Grameena Bank, H.O. Mukrampure, P.B.-3, Karim Nagar-505002 (A.P.)	AP/14310	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I dated 10-9-91	31-1-91	1-2-91 to 31-1-94	2/3775/91/DLI
2. M/s Naveen Diesels, P.B. No. 1, Bhagyanagar Colony, Cuddapah-516001.	AP/17169	Do. dated 27-3-90	31-10-91	1-11-91 to 31-10-94	2/2411/90/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/ Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as Compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1129.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) :

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said men- tioned in Schedule-I against said Scheme has been granted by the R. P. F. C. Andhra Pradesh from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	CPFC's File No.
1.	M/s St. Anthony's Industrial Institute, Station Road, Cuddapah-1.	AP/11186	1-11-91 to 31-10-94	2/4679/92/DLI
2.	M/s Microtorr Vacuum Systems (Pvt.) Ltd., 6-4-43, Bholakpur Kavadi guda Road, Secunderabad-500380.	AP/13402	1-4-92 to 31-3-95	2/4604/92/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as Compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.1/1137.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted	Date of expiry of earlier exemption.	Period for exemption further extended.	C.P.F.C.'s File No.
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1.	M/s. The Surat Electricity Co. Ltd., Electricity House, Station Road, Surat-395003	GJ/901	S-35014/75/88/SS-II Dated 16-8-88	15-8-91	16-8-91 15-8-94	2/1786/88-DLI
2.	M/s. VXL India Ltd., Saurashtra Chemicals, Birlasagar, Porbander, Gujarat-360576	GJ/1367	S-35014(8)87-SS-II Dated 21-1-87	20-1-89	21-1-90 20-1-93	2/174/79-DLI
3.	M/s. Technoplast, 35, Vithal Udhayog Nagar, Vallabh, Vidyanagar-388121	GJ/2546	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I Dated 17-10-92	30-9-91	1-10-91 30-9-94	2/4094/90-DLI
4.	M/s. Shree Digvijay Cement Co. Ltd., P.O. Digvijaynagar, Ahmedabad-382470	GJ/3951	Do. Dated 5-9-92	11-2-92	12-2-92 11-2-92	2/836/82-DLI
5.	M/s. Wood Polymer Ltd., M.G. Road, Bilimora-396321 Distt. Bulsar	GJ/4626	Do. Dated 4-4-1991	28-2-93	1-3-93 29-2-96	2/2851/90-DLI
6.	M/s. Gujarat State Co-operative Bank Ltd., P.B. No. 302, Sahakar Bhawan, Relic Road, Ahmedabad-380008.	GJ/4655	Do. Dated 26-2-92	26-8-92	27-8-92 26-8-95	6/376/80-DLI
7.	M/s. Rotocon Sprocket Co., Anand Sogitra Road, Vallabh Vidya Nagar-388120 (Gujarat).	GJ/6399	2/1959/DLI/Exempt/89/Pt. I Dated 17-10-92	31-5-92	1-6-92 31-5-95	2/4090/92-DLI
8.	M/s. West Coast Pharmaceutical Works, 140, G.I.D.C. Industrial Estate, Naroda, Ahmedabad-382330.	GJ/6872	S-35014(101)88-SS-II Dated 1-9-88	31-8-91	1-9-91 31-8-94	2/1789/88-DLI
9.	M/s. Bhagwati Spherocast Ltd., 132/1, G.I.D.C. Estate, Adhav-382415 Ahmedabad.	GJ/7374	2/1959/EDLI/Exem/89/Pt. I Dated 18-10-92	31-3-92	1-4-92 31-3-95	2/4162/92-DLI
10.	M/s. Excel Shine (P) Ltd., Excel Estate, P.B. No. 18, Valsad-396001.	GJ/9552	Do. Dated 4-6-91	28-2-91	1-3-91 28-2-94	2/3583/91-DLI
11.	M/s. Simax Laboratories (India) (Pvt.) Ltd., N.H. No. 8, Alrama Valsad-396001.	GJ/15824	Do. Dated 10-9-91	28-2-93	1-3-93 29-2-96	2/2794/90-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium, the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1145.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Guntur from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	CPFC's File No.
1.	2.	3.	4.	5.
1.	M/s Nachiar Engineering Works 141, Patel Road, Ram Nagar P.O. Coimbatore-641009.	TN/21444	1-7-90 to 30-6-93	2/4708/92/DLI
2.	M/s United Cabs, Gopal Bagh, 317, Avonshi Road, Coimbatore-641018.	TN/21394	1-6-88 to 30-5-91 & 1-6-91 to 30-5-94	2/4709/92/DLI
3.	M/s Filaments & Windings (Ind.) Ltd., 63, SIDCO, Industrial Estate, Coimbatore-641021.	TN/17455	1-2-91 to 31-1-94	2/4710/92/DLI
4.	M/s Shanthi Satles Ltd., 304A, Trichy Road, Singonallur, Coimbatore-641005.	TN/17290	1-4-91 to 31-3-94	2/4711/92/DLI
5.	M/s Veeyes Foundry SP No. 381, Kalappanaik Poloyoni Pirivu, Thadagam Road, Coimbatore.	TN/21406	1-12-90 to 30-11-93	2/4712/92/DLI
6.	M/s Aruna Auto Casting Singoupuri Road, Govepathy, Coimbatore-641006.	TN/21443	1-10-90 to 30-9-93	2/4713/92/DLI
7.	M/s Roots Precision Products, Upavagam Ganapathy, Coimbatore.	TN/21474	1-10-90 to 30-9-93	2/4714/92/DLI
8.	M/s Roots Auto Products (P) Ltd., Upavagam, Ganapathy, Coimbatore-641006.	TN/21454	1-10-90 to 30-9-93	2/4715/92/DLI
9.	M/s Institute of Road and Transport Technology, P.B. No. 2, Sri Vasavi College (PO) Edvode-638316.	TN/21242	1-12-88 to 30-11-91 & 1-12-91 to 30-11-94	2/4716/92/DLI
10.	M/s Auto Service Ulavagam Ganapathy, Coimbatore-641006.	TN/21069	1-10-90 to 30-9-93	2/4712/92/DLI
11.	M/s Lakshmi Card Clothing Manufacturing Co. Ltd., Unit II, 3rd K.H. Krishnagiri Road, P.B. NB. 33, Hosur-635109.	TN/21483	1-8-89 to 28-2-90	2/4718/92/DLI
12.	M/s Asian Bearing Ltd., Beribai Road, Hosur Taluk, Dharampuri Distt.-635124.	TN/17496	1-1-88 to 31-12-90 & 1-1-90 to 31-12-93	2/4719/92/DLI
13.	M/s Dhanalakshmi Industries, 204, Surumongalam Road, Follapathi Salom-9.	TN/8657	1-3-89 to 29-2-92	2/4720/92/DLI
14.	M/s Saha Keil Ltd., 177, S.P. Cot Industrial Complex, Hosur-635125.	TN/17202	1-8-91 to 30-7-94	2/4721/92/DLI
15.	M/s Soundararay Industries, 17, Avarampalayam Road, Ganapathy (P.O.) Coimbatore-641006.	TN/21845	1-11-90 to 31-10-93	2/4722/92/DLI
16.	M/s Salem Urban Co-op. Bank Ltd., 1st Agraharan, Salom-636008.	TN/8672	1-2-88 to 31-1-91 & 1-2-91 to 31-1-94	2/4723/92/DLI
17.	M/s United Motors (CBE) Pvt. Ltd., 317, Avonashi Road, Coimbatore-641011.	TN/9692	1-5-88 to 30-4-91 & 1-5-91 to 30-4-94	2/4724/92/DLI
18.	M/s Marvel Engineering Ind., Amman Kulam Road, P. N. Paleyam, Coimbatore-37.	TN/17016	1-12-87 to 30-11-90 & 1-12-90 to 30-11-93	2/4725/92/DLI
19.	M/s G. Plast (P) Ltd., Coimbatore, Gopal Bagh, 316, Avanashi Road, Coimbatore-641018.	TN/21235	1-5-88 to 30-4-98	2/4726/92/DLI
20.	M/s Incoserve Post Box No. 37, Church Road, Conoor-643101 The Nilgiris.	TN/23012	1-2-92 to 31-1-95	2/4727/92/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employee than the benefits admissible under the said scheme.
7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of Ind'a, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 211959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1153.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Rajasthan from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE 1

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. J.K. Synthetic Employers Co-operative Society Ltd., J.K. Nagar, Kota, Rajasthan.	RJ/1610	1-12-91 to 30-11-94	2/3481/80-DLI
2.	M/s. Rajasthan Silk Mills (new unit) Industrial Estate Bhilwara Rajasthan.	RJ/4242	1-7-89 to 30-6-92	2/4577/92-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pl.I/1161.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976. (hereinafter referred to as the said Scheme)

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against said scheme has been granted by the R.P.F.C. Madras from the operation of the said scheme for a period of 3 Years.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective date of exemption	CPFC's File No.
1.	M/s Chemfab Alkalies Ltd., Kalapet, Pondicherry-605104.	PC/277	1-3-89 to 29-2-92	2/4786/92/DLI
2.	M/s Victoria Technical Institute, Anna Salai, Madras.	TN/2555	1-3-90 to 28-2-93	2/4783/92/DLI
3.	M/s Indian Organic Chemicals Ltd., Chinnasakkadu, Manali Madras-68.	TN/9614	1-9-87 to 31-8-90	2/4785/92/DLI
4.	M/s Structural Combines P. Ltd., 21K, Sidco, Industrial Estate, Ambattur, Madras.	TN/16990	1-8-89 to 31-7-92	2/4740/92-DLI
5.	M/s Industrial Oxygen Co. Ltd., Manali Express High Way, Manali, Madras.	TN/22010	1-5-89 to 30-4-95	2/4742/92/DLI
6.	M/s Plant Constructions Pvt. Ltd., East Coast Chambers, III Floor, 92, G.N. Chetty Road, T. Nagar, Madras-600017.	TN/26567	1-3-92 to 30-4-95	2/4784/92/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct clause (a) sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employee, than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interests of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1169.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976. (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said Establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended.	Date of expiry earlier	Period for exemption further	CPFC's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s Sunil and Company, 29, Light Industrial area, Jodhpur-342003.	RJ/2359	S-35014/66/88/SS-II dated 26-7-86	25-7-91	26-7-91 to 25-7-94	2/1780/88/DLI
2.	M/s Industrial Engineering Company, 25 KM, Stone, Ajmer, Beawar Road Mangliawas-305203 Ajmer.	RJ/4913	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 22-7-91	31-10-94	1-11-91 to 31-10-94	2/3518/91/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees & to explain their point of view.
9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1185.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I againt each from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption.	CPFC's File No.
1.	M/s Arihant Tiles and Marbles Pvt. Ltd. Udaipur N.H.R. Nathdwara Road, Udaipur, Rajasthan.	RJ/5238	1-10-89 to 30-9-92	2/4704/92/DLI
2.	M/s Samural Electronics Pvt. Ltd., E-76, Industrial state Prabhatpura Ajmer, Rajasthan.	RJ/5465	1-6-90 to 31-5-93	2/4703/92/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1193.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act.)

AND WHEREAS I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Amritsar from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	CPFCs' File No.
1.	M/s Varun Processors Pvt. Ltd., P.O. Khanna Nagar, Kashmir Road, Amritsar. (Punjab).	PN/15486	1-1-90 to 31-12-93	2/4650/92/DLI
2.	M/s V.X.L. India Ltd., (OCM Woollen Mills), G.T. Road, Amritsar. (Punjab).	PN/60	1-12-89 to 30-11-92	2/4349/92/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM,

Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1201.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Orissa from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	CPFC's File No.
1.	M/s Konark Television Ltd., Electronics Bhawan, Rasulgarh, Bhubaneswar-10.	OR/1350	1-12-88 to 30-11-91	2/4502/82/DLI
2.	M/s Indian Metals and Carbide Ltd., Bomikhel, Rasulgarh, Bhubaneswar-751010.	OR/1573	1-1-88 to 31-12-91	2/4501/92/DLI
3.	M/s Radient Electronics Ltd., A-129, Mancheswar Industrial Estate, Bhubaneswar-751010.	OR/3279	1-2-89 to 31-1-92	2/4523/92/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exem/89/Pt.I/1209.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry earlier exemption	Period for further exemption	CPFC's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s Sant Brass Metal Works, . . . G.T. Road Bye Pass Pathankot Chowk, Jalandhar (Punjab).	PN/801	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 22-5-89	30-11-89	1-12-89 to 30-11-92	2/1731/88/DLI
2.	M/s Hind Samachar Ltd., . . . Civil Lines, Jalandhar-144001	PN/1200	Do. dated 22-5-89	31-9-89	1-9-89 to 31-8-92	2/2163/89/DLI
3.	M/s Punjab Pipe Fittings Industries, G.T. Road, Bye Pass Jalandhar-144004.	PN/5674	S-35014/23/88/SS-II dated 8-6-88	8-6-91	9-6-91 to 8-6-94	2/1732/88/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where

any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/3715/91-DLI/1217.—Whereas M/s Shree Kayalasema Alkalies & Allied Chemicals Ltd. (AP/20817) has been granted exemption Under Section 17(2A) of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) herinafter referred to as the said Act.

And whereas, the said establishment has stated compliance under Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976 as an un-exempted establishment in respect of contractors and Casual employees w.e.f. 1-12-90.

In view of the above I, B. N. Som, have by granted exemption to the said establishment w.e.f. 1-12-90 to 30-11-93 under Section 17(2B) of the said Act & hereby cancel the exemption granted vide Notification No. 2/1959/DLI/Exem/89/Pt.I/1263 dated 29-7-91.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. CPFC.1(4)TN(527)/92/1107.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers & the majority of the employees' in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' provident Funds & Miscellaneous provisions, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely:—

S No.	Code No	Name & Address of the estts	Date of coverage
1.	TN/27038	M/s. Jaya Nursing Home, 21, West Fort Street, Vriddha chalam-1.	1-8-89
2.	TN/23300	M/s. Tamil Nadu Association for the Rehabilitation of the Handi-capped (Rehabilitation Centre) 26, Muthiah Garden Street, Rayapettah, Madras-14.	1-10-88
3.	TN/23471	M/s. Kalasamudram Milk Producers Co-op. Society, TPD 480, Kalesamurram Post, Polur Taluk T.S. Dt. (T.N.).	1-9-89
4.	TN/23472	M/s. Kuppam Milk Producers Co-op. Society, Kuppam Post, (Via) Kannamangalam Polur Taluk, N.A. Dt. (TN).	1-1-89
5.	TN/23514	M/s. Poly Resins, L-11, Sidco Industrial Estate Kodungaiyur, Madras-51	1-7-89
6.	TN/23661	M/s. Vannankulam Milk Producers Co-op. Society, Vannankulam VIII. & Post, Arani Taluk, T.S. Dt.	1-9-89
7.	TN/23663	M/s. S.P. Sales & Service, AB-101, 6th Main Road, Shanthi Colony, Anna Nagar, Madras-40.	1-10-89

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, I, B.N. Som, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

B.N. SOM
Central Provident Fund Commissioner